IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 1, May 2024

अनुसूचित जातियों की सामाजिक, आर्थिक स्थिति का अध्ययन

डॉ. सुनीता जैन

सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र

स्व. दिलीप भटेरे शासकीय महाविद्यालय किरनापुर, जिला बालाघाट (म.प्र.)

शोध सारांश–

हमारे देश में अनुसूचित जाति को समाज की जाति व्यवस्था के क्रम में सबसे निम्न क्रम में रखा गया। उसी के अनुसार उस जाति को समाज में सम्मान एंव सुविधाएं भी प्राप्त हैं इन जातियों का स्थान आरक्षण व्यवस्था और अस्पृश्यता के विरुद्ध कानून बनाकर इसको समाज की मुख्य धारा में जोडने का प्रयास किया जा रहा हैं। प्रस्तुत पेपर में इस जाति की वर्तमान समय की वास्तविक परिस्थितियों का चित्रण विभिन्न आधारों पर शोध के माध्यम से किया गया। इनमें लिंग,व्यवसाय, शैक्षिक स्तर,मांसाहारी भोजन,संचार के साधन नशा सेवनकर्त्ता आदि विषयों पर स्थिति का वर्णन किया गया। भारतीय समाज जाति पर आधारित स्तरीकरण वाला समाज है, इस ऊँच–नीच अथवा संस्तरण में सबसे निम्न स्थान अस्पृश्य जातियों का रहा है। इन पर अनेक प्रकार की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक व धार्मिक निर्योग्ताएँ लगी हुई थीं। हिन्दू धर्म के अनुसार 'उच्च' जाति का कोई व्यक्ति किसी भी अस्पृश्य के साथ व्यक्तिगत सम्बन्ध नही रख सकता था।

मुख्य शब्द – अनुसूचित जातियों, आरक्षण, सामाजिक, आर्थिक, अस्पृश्यता आदि।